AF-2068

B.A. (Part - II)
Term End Examination, 2017-18

Paper - II

Sanskrit Literature

Time : Three Hours] [*Maximum Marks* : 75

नोट : सुवाच्य अक्षरों में **सभी** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रश्नों के अंक उनके दाहिनी ओर अंकित हैं।

इकाई-I

1. (क) निम्नलिखित श्लोकों में से किन्हीं **दो** की ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए : 15

(*i*) प्रदक्षिणीकृत्य पयस्विनीं तां सुदक्षिणा
साक्षतपत्रहस्ता।
प्रणभ्य चानर्च विशालमस्याः शृङ्गान्तरं
द्वारमिवार्थ सिद्धेः॥

(*ii*) अलं महीपाल! तव श्रमेण प्रयुक्तमप्य-
स्त्रमितो वृथास्यात्।
न पादपोन्मूल शक्ति रहः शिलोच्चये
मूर्च्छति मारूतस्य॥

(*iii*) भवानपीदं पखानवैति महान् हियत्नस्तव
देवदारौ।
स्थातुं नियोक्तुर्न हि शक्यमग्रे विनाश्य
रक्ष्यं स्वयमक्षतेन॥

(*iv*) तं विस्मितं धेनुरुवाच साधो मायां
मयोद्भाव्य परीक्षितोऽसि।
ऋषिप्रभावान्मयिनान्तकोऽपि प्रभुः
प्रहर्तुं किमुतान्यहिंस्राः॥

(ख) निम्नलिखित में से किसी **एक** श्लोक का हिन्दी में अनुवाद कीजिए : 10

(*i*) व्रताय तेनानुचरेण धेनोर्न्यषेधि
शेषोऽप्यनुयायिवर्गः।
न चान्यतस्तस्य शरीररक्षा स्ववीर्यगुप्ता हि
मनोः प्रसूतिः॥

(*ii*) एकातवत्रं जगतः प्रभुत्वं नवं वयः
कान्तमिदं वपुश्च।
अल्पस्य हेतोर्बहुहातुमिच्छन् विचारमूढ़ः
प्रतिभासि मेत्वम्॥

इकाई-II

2. राजा दिलीप एवं सिंह के संवाद का वर्णन कीजिए। 10

अथवा

'रघुवंश' महाकाव्य के द्वितीय सर्ग के आधार पर प्रकृति-चित्रण कीजिए।

इकाई-III

3. निम्नलिखित श्लोकों में से किन्हीं **दो** की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 20

(क) येषां न विघा न तपो न दानं न ज्ञान न शीलं न गुणो न धर्मः।

ते मृत्युलोके भुवि भारभूता मनुष्यरूपेण मृगाश्चरन्ति॥

(ख) सिंहः शिशुरपि निपतति मदमलिन कपोल भित्तिषु राजेषु।

प्रकृतिरियं सत्त्ववतां न खलु वयस्तेजसो हेतुः॥

(ग) रे रे चातक! सावधान मनसा मित्र! क्षणं श्रुयता–

मम्भोदा बहवो वसन्ति गगने सर्वेऽपि नैतादृशाः।

केचिद् वृष्टिभिरार्द्रयन्ति वसुधां गर्जन्ति कोचिद् वृथा

यं यं पश्यसि तस्य तस्य पुरतो मा ब्रुहि दीनं वचः॥

(घ) मनसि वचसि काये पुण्यपीयूषपूर्णा

स्त्रिभुवनमुपकारश्रेणिभिः प्रीणयन्तः।

परगुणपरमाणून् पर्वतीकृत्य नित्यं

निजहदि विकसन्तः सन्ति सन्तः कियन्तः॥

इकाई-IV

4. महाकाव्य का लक्षण लिखिए। 10

अथवा

निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) शिशुपालवधम्

(ख) राजतरंगिणी

(ग) रघुवंश

(घ) सौन्दरनंद

इकाई-V

5. कथा साहित्य का उद्‌भव एवं विकास लिखिए। 10

अथवा

निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) शतकत्रय

(ख) अमरकशतक

(ग) ऋतुसंहार

(घ) पञ्चतन्त्र

(ङ) वेताल पञ्चविंशति